UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

B.A. Music(Vocal) 2st Year Assignment
बी0ए0 संगीत(गायन) द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission : 15thMay 2013 जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2013

Course Title : Sangeet Shastra **Course Code : B.A.M.V.-03**
कोर्स शीर्षक : संगीत शास्त्र **कोर्स कोड : बी0ए0एम0वी0–03**
Year : 2012-13 **Maximum Marks : 40**
सत्र : 2012–13 अधिकतम अंक : 40

❖ **खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।**

खण्ड़ – क

1. नाद का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
2. ग्राम व मूर्च्छना पर विस्तृत चर्चा कीजिए।
3. निबद्ध गान, अनिबद्ध गान व जाति गायन को समझाइये।
4. शुद्व राग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वान्गवादी, उत्तरांगवादी राग, परमेल प्रवेशक व संधिप्रकाश राग पर प्रकाश डालिए।
5. निम्न में से किन्हीं पांच गायन शैलियों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :–
   तराना, त्रिवट, गजल, कव्वाली, सादरा, चतुरंग, सरगम गीत, लक्षण गीत, कजरी एवं चैती
6. पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों का पूर्ण परिचय देते हुए उनके स्वर विस्तार भी लिखिए।
7. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वरलिपि पद्धति का पूर्ण परिचय दीजिए तथा भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति के साथ इसका तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत कीजिए।
8. पाठ्यक्रम की किन्हीं तीन तालों का परिचय देते हुए उनको दुगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध कीजिए।

❖ **खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।**

खण्ड़ – ख

1. भारतीय संगीत के इतिहास(प्राचीनकाल से मध्यकाल तक) पर प्रकाश डालिए।
2. पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों में विलम्बित ख्याल व मध्यलय ख्याल को तानों सहित लिपिबद्ध कीजिए।
3. ध्रुपद की उत्पत्ति, विकास एवं घरानों का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
4. पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों में ध्रुपद को दुगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध कीजिए।